तर्ज- आयेंगे जब मेरे साजना अंगना फूल खिलेंगे

याद करो सुख धाम के,पिया प्यार करेंगे
बरसेगी मेहर-2, झूम झूम के,पिया....

1 चंचल ये नैना तिहारे जो,
मस्तियों के मयखाने हैं
डूबी जो रहती है रूह इनमें,
नैना सुख वोही तो जाने है
याद करो,नैनों के सुख,सुनो रूहो बरसेगी....
2-मुस्कनियां इश्क की प्यारी है,
भीगी रूहें इनमें सारी हैं
पिया अधरों की जो लाली है,
मस्ती भरी अति प्यारी है
डूबूं इनमें सदा,पाऊं सुख मैं पिया,बरसेगी...
3- पिया वनों में जो जाते हैं,
इश्क के खेल खिलाते हैं
न जीतें खुद न हराते हैं,
कंठ से कंठ लगाते हैं
सारा आलम झूम उठे,सुनो रूहो,बरसेगी....

Nijanand App

4- झीलने जमुना में जाते हैं,
उछरंगों से मय पिलाते हैं
मीठी वाणी से जब बुलाते हैं,
सुख इनमें सब मिल जाते हैं
झीलूं पिया संग सदा,इश्क इसमें भरा, बरसेगी...

Nijanand App